2夕;

সত্থ্যাসার।

स्य भी १.

है दाकी थ वासका विम्हालयम हाजगरनद

ना महार्श

শক্ত, হড়্রিপু প্রদৃতি আবস্তানীয় সংখ্যার পর্যায়

নাৰ্ক্ষাং সু হিডাৰ্কায়ড়ডিডং প্ৰশুক্ত নয়। ভদ্য দোষান্ পরিডঃলা অগ্ন, গুক্ক প্ৰতিডঃ ৮

> बीविभिनासीकन सम्बन्धः बनीकः

> > -

কলিকাত। ।

বুত বাবু গোবিদ্দচন্দ্র গুপ্তের ছারা সংবাদ সক্ষনরঞ্জন যন্ত্রে মুক্তিত হইল। সকাশাঃ ১৭৮৩। মুক্তা।•ু চারি আনা মাজ।

বিজ্ঞাপন ।

ক্ষেত্রাবা পাঠ করিতে যাইলে জনেকগুলিন সংখ্যার প্ৰায় জানা অত্যাবশ্যুক, <mark>অথচ একালপ</mark>ৰ্য্যন্ত কোন মহা-া কর্ত্তক এমত একখানি পুস্তক মুক্তিত হয় নাই, যন্তা-র ওলাবহ জাত হওয়। যাইতে পারে। আমি **এই অসন্তাব** দ্বীক্ষণ প্রভাশায় প্রোংদাহিত হইয়া এই কুড পুস্তক ্রনি সম্বলন করিলাগ। এতং প'ঠে এই প্রাচীন ভারত-রাষ্ট্র পুর্মাকাল-প্রচলিত আচার, ব্যবহার, ধর্মা, কর্মা প্রাভূ-^L 5ং কথাঞ্জিত পবিচয়ও পাওয়া যাইতে **পা**রে। **ইহাঁ যে স্ককু**-্বনতি বালকগণের পক্ষে কতদূর উপযোগী হইবে, ভিছিল য স্পবিত্প গৃহিলান, তবে মধ্যে২ ছুই এ**ডটি** ক্ট্রিনতর সংখ্যা পরিত্যক্তমতে, ভাহারদিগকে এই পুস্তক খনি পাঠ করান যাইতে পারে। যাহা**হউক এমত সাহস** ^{ুর} যাইতে পারে, যে ইংরাজী বিদ্যা**লয়ের উচ্চ শ্রেণীস্থ** স্প্রভাষান্তরাগী ছাক্র মাত্রেই ইহার উপ**যোগিতা উত্তমরূপে** ময়ত্তৰ কৰিতে পারি বন। **তন্মধ্যে যে সকল পর্য্যা**য় **লিখিত** ^{হইল ভত্তাবৎ প্রায় প্রভ্যেক বাঙ্গালা পুস্তক পাঠ প**লে অভি**} मांव श्राक्तीय।

ইহা কি সামান্য জঃখের ও বিশ্বয়ের বিষয় যে ইংরাকী বিদ্যালয়ের কৃতবিদ্য ছাত্রগণের মধ্যে অনেকেই পঞ্চ
ভূত কাহাকে বলে তাহা অবগত নহেন। তাঁহারা পঞ্চতকে পাঁচটি প্রেত বলিয়া জানেন।

অতথব পঞ্চতুত, ষড়রিপু এবং গপ্ত চিরজী বী প্রান্থ তিঃ আবাদ্ধীর পর্যায় ইহার মধ্যে সন্নিবেশিত ধরা হইস অপর ছরুহ ও অনাবশুক বোধে অনেকগুলিন সংখ্যা পর্বি ভাতে হইরাছে। পুসকং!নি সহজ কর্ণাশয়ে, প্রতি কটিন শক্ষেই অর্থ লিখিত এবং প্রায় প্রত্যেক সংখ্যার নিম্নতা গে এক একটু টাকা এবং কুচিং এক একটু মন্তব্য বিষয়র নিখিত হইল।

সংখ্যাবে।ধক ও সংখ্যে পূর্ণবাধক এই দ্বিনি সংখ্যাব।সক সাধুভাষা শক্ষ এবং কডকগুলিন সাক্ষেতিক শক্ষ সকলেরই জানা আবেশ্যক বলিয়া পূুক্তকের শেষভাগে ভন্তাবং সন্নিবেশিত হউল। এফণে ইহা সর্মত্র পরিগৃহীয় ও বাবস্ত হইলে মুমস্ত পরিশ্রম সকল বে।ধু করিব।

পরিশেষে সকৃতজ্ঞচিত্তে বিজ্ঞাত করিতেছি যে সংস্কৃত্য কালেজের শা তি শাস্ত্রাধ্যাপক শ্রীযুক্ত ভরতচন্দ্র শিরোমণি এবং উক্ত কালেজের সহকারী সম্পাদক শ্রীযুক্ত সোমনাথ মুখোপাধ্যায় অপিচ কলুটোলা ক্ষুলের হেড্পণ্ডিত শ্রীযুক্ত ন্যকান্ত ভর্কপঞ্জানন, এই কয়েক মহাস্থা এই পুস্তৃকথানি সঞ্চলন পক্ষে বিশেষ সাহায্য করিয়াছেন। এমন কি ভাঁহার দিলের অন্তুক্তা ভিন্ন আমি কথনই মদারদ্ধ কার্যো সিদ্ধ কাম হইতে পারিতাম না।

्र हेड्ड १ १ ० ४०८१ म কীবিপিনমোহন সেন গুপ্ত। প্রেসিডেদী ফালেক।

সংখ্যাসার i

व्ययम व्य

অয়ন অর্থাৎ বৎসরার্জ।

2

সূর্য্য পূর্ব্যদিকে উদয় হইয়া দক্ষিণ দিক্ত দিয়া যে ছয়দাস অন্তগত হন তাহাকে দক্ষিণা নন এবং উত্তর্গিক দিয়া যে ছয়মান অন্তগত হন তাহাকে উত্তরায়ণ কহে।

शक बरा।

পূর্ণিমার পর অমাবতা অব্ধি সময়কে ক্লক্ষ্

য়কে শুকুপুৰু কছে। অতএব প্ৰায় বিন রাজে একপুক্ত হয়।

अन वर्ग।

পিড় খাণ ঋষি খাণ

লোকে বেদ পুরাণাদি গাঠজার। ঝাবি ঋণ সন্তানোৎপাদনে পিতৃ ঋণ, একং সজ্জাদি সক্ষা দনে দেব ঋণ শ্রুতে মুক্ত শ্রুষা গাকেন।

जिलाक।

ভূরে ক	** *	***	••	ale
'छ रहर्ल'क		•		
स्:लं व		, ••	***	*
				٤
at Ti				को ६
जार ्ल		म खीर	লাক 🦙	<u> तुवस</u>

9

ভূব লোক		••••	ৰিডীয়	লোক			
শ্লোক	••••	×3	লোক, অস	রপুর			
	f	ত্রজগৎ।					
वर्र.		, 4*	4 1*	\$			
		,-**		' 5			
न है। इंडिन	***	. 41	,,,,	'>			
				Minerial in Supply dell report			
				10			
	fo	ান্দ এয়।	1				
ুং লিফ			* 8 *	>			
ন্ত্ৰীলিঞ্চ	•	***	•	*			
<u> শ্বিলিক</u>	••) , me	•	*			
				ummegar valdagall o Mitjeller			
				/3			
তিগুণ ৷							
मर्भ		***	***	٠٠٠ څ			
ব জঃ			,**	5			
ভ মঃ	,	*1 **					

and the same of th				. प्यश्
A	কৃতির প্র	थेभ छन् य	দ্বার: স্থ	টি হয় !
₹ 5 58	ৰ দিভ	ोग्न श्रम के	交行音等	इस ।
ভাষঃ	কু জু	रिश्न गुन ज	क्षिंगा	শ হয়।
*	ত্রি ত	ाश ।		
জাধি দৈবিক		4871	**	
আধি ভৌতিক	**		****	
আধ্যাত্মিক		****	***	*
				৬
* 4				অধ্
जा दिदेशिक	বজাৰা	ত, উল্কা	পতি প্রত্	্তি নে
	जाश है।	ৰবাধীন গ	টিয়া থাং	₹ 1
আধিভৌতিব	যে জুংখ	मसुधाः,	পশু, পশ্	ी इहे-
•	ভে হই	য়া থাকে	1	
আধ্যাত্মিক	गड़ी त	किया म	নেতে বা	ত পিত্ত
	প্রভূগি	ब्त् देवरा	। ज्ना	া কাম
	ক্রোধ	াদির আ	थेकृ। निवि	ाउँ (य

मध्य श्व

ভাবত্রয় ৷

	•			1 16
M 🕞	****	-141		
दीह	***	****		
দ্বিস্তা	****	4**;	****	
				-
				৩

বেনোক্ত বিধানে শক্তাদি পূজা যদার।

বিভাগে পশু ভাগ কছে। নহা আড়মা

কোরে তত্ত্রাক্ত বিধানে ঐ পূজা যদ্ধারা হয় তা
কে বীর ভাগ বলা থায়। এবং নদ্য নাংগ

কংশপ খারা বিনাড্যরে ঐ পূজা যদ্ধারা হয় তা
তকে দিয়া ভাগ কহা যায়।

	অপর	ভাব	ত্রা		
া,ব্রিক	.***		****		` \$
াজ্যিক	4989	,	4144	*188	5
ভাষ্দিক		•• •	****	4444	>
					-

কেবল ধর্মার্থ জ্ঞানৈখর্য্য প্রকাশকে সান্ধিক ভাব কহা যায়। কান, কোধ, লোভ, লসম্ভোব

श्राक्ष	রাজ	স ভার	বলা যায়	1 3	S TOWN	Small !
निजानगा,						
रहार करेश						

নি <u>জ</u> ালসা	, कर्म दे	विख्ना निम	য়েতাকে	ত ম্	ভাर
रजा भार					
¥ ,		ত্রিকাল	1	,	
9 ड	***	***	v. **	4*1.	•
ভবিষ্যৎ	411				
বর্তমান		1996	***1	1940	
g 1				•	
भारत				<i>Æ</i> !	1
ङ्ख	****	*#+	****	স্বৰ্ভ	ौड
ভবিষাৎ	•		****	অনাগ	13
दर्खनाम	••••	• •	A.,	উপ্ৰ	E .
रिवय	किन्नर ।	बहें कण	লত্রকে	অনেক	21-
কারে বিভ	ভ করিয়	गह्न।क	লতঃ এস্থ	त्म ध	:না
্দিণের তা	হ' বক্তব	নহে ৷			
10 de	অপ	র কাল	ৰয়।		
्यांना	47.64	••••		-+	, >
হোবন	****	,		***	>
टाईका.	,,,,			•••	\$

- তেত্ৰ প্ৰৌচাবছাকে কাল বিলেষে পারগ= বিত কবিয়া থাকেন। মনুষ্য জীবন এই রপে হিন্দু পণ্ডিতদিপের -श्री তিন ভাগে বিভক্ত কইয়াছে। দশাত্য। \$ 216 গভীর নিজাবস্থাকে সৃষুপ্তি কছে। जिदहारा । 475 48 1.75 ... वांश्

িজ

3. 25.

··· শরীরের তিক্ত ধাতু।

(MI)

এই দোষএয় না থাকিলে শরীরে রক্ত গ্রমনাগ্রমন এবং শরীর রক্ষা করা ভার হইত। বায়ু, জাঞ্জু এবং জল দ্বারাই যন্ত্র বিশেষ চালিত হইয়া থাকে।

পদাথ ত্রয়।

শব্দ । অর্থ টেডন চেতনা বিশিক্ত পদার্থ যথ। আখাদি।

ক্তেতন চেতনা বৃহত পদার্থ বগা পুতকাদি।

इंसिन याहा जुनि (ज्राम ज्ञान) निजाति।

শক্তিএয়।

মৃত্যুদ্ধিক মৃত্যুদ্ধিক

উৎসাহ শক্তি ---

কর্মাত্রয় ৷

্নভা		****	****	5
্নিমিন্তিক	.***	****	****	5
কামা	• • • •	444	***	5
				9

যাঁহা না করিলে পাপ হয় তাহাকে নিতা কর্ম বলে। কোন কারণ বশতঃ যে কর্ম করিতে গম ভাহাকে নৈমিজিকু এবং কামনা করিয়া যে নার্ম্য করা হয় দেই কামা।

প্রমাণ চতু্টয়।

		-		
ा जा अह	****	g to 40	****	1
শারুমানিক			****	5
^ই পনানিক	,**4	****	****	>
^ 'কিক	**.*	e# #	****	>

যাহা ইন্দ্রিয় দারা অনুভব হয় তাহাকে প্রত্যক্ষ প্রমাণ কহে। ফল দর্শন করিয়া বাহার হেতু দির্দেশ করা যায়,ভাহাকে আনুমানিক কহে, রিয়া পূম দৃষ্টে অনি নিরপণ করা) পরস্পর বৈষিদ্ধার থাকায় একের দর্শনে অন্যকে নির্দেশ কুরাকে উপমানিক বলা হায়। আগুবাক্য অর্থাৎ দৈবরাণী প্রভৃতি বিশ্বর বাক্যকে শান্তিক প্রমাণ

বুলে।

ज्य स्व

চতুৰ্বেদ্ 1

হিন্দু শাস্ত্রমতে বেদ অপে রুষের অর্থাৎ কোন পুরুষ কর্ত্বন নহে। অনাদি ব্রহ্মা, অগ্নি, বায় পুরি হইতে গরুর পালানের তুগ্নের ন্যায় প্রকাশ মাত্র করেন। এবং মহর্ষি বাাস উহা শাখা প্রতেশে বিভাগ করিয়াছেন বলিয়া ভাহার নাম বেদব্যাস নামে থ্যাত হইয়াছে।

চতুরাশুম।

*०५ची*०

अयहरी

ুম প্রস্থ		2 4 2 4	****	A+++	*
Contract of the second	***	****		****	- 3
					8

বানপ্রস্থানাবল দ্বিরা বনে বাদ করেন। বহু
চারাবি ভারতবর্গাধেরা উপরি উক্ত আশ্রম
্নীক্তর বিভক্ত হইয়া এই ভারতভূনে বাদ করিে আদিতেছেন। তমধ্যে গৃহস্থানাবলিরিরা ই
ক্রেণ অধিক ও বানপ্রস্থানাবলিরিরা অভি
নি দ।

চতুৰ্বৰ্গ ৷

এই বর্গ চভুষ্টারের মধ্যে কোন না কোন।

গাই প্রায় নমুধ্য মাত্রেই পাইতে ইচ্ছা করিয়া।

াকন।

চতৰ্ণ	1
2 1	•

	8,11		
্যাক্ষণ	****		****
क दिव देवश्र	,"	, * # ¢	**
रेन श	6 y b	****	. ***
শূজ	***	***	,*,,

অত্যদেশে পূকাকালে ত্রাক্ষণের। বাহ ক্রিয়া সম্পাদনে, বেদাদি ধর্মশাস্ত্র পাঠে এ বাবকাদি দিভে। ক্রিয়েরা রাজ্যভার গ্রহণে রাজ্য রক্ষার্থ। বৈশ্বেরা ব্যবসায় করিছে এ শুজেরা দাসভ্কার্যা নির্কাণ করিছে আলিও কিতেন ও দেশাচারদ্বারা থাকিছে বাধ্য হইণে

পরিমাণ চতু উয়।

		•		
SILLA			****	
ভাল	1**4		****	***
গোক্ৰ	**** (,	****	
্বিভব্ <u>ত</u>			****	****
·				Step 4 at ann

WIN.

श्रीरम्भ । इन्ज्री महिल विस् ज अन्नु छ।

		cc			
इ 'ल		সহিত বি			
ু ংকার্থ	অনামিং	eta	वे वे)	
মশ্ব জ		दिया वि		९ ह्याप	र्वे !
•	য়ণ	গ চভুফীর	11		
7, 3 ;		***			\$
.ast	••••		****		3
দ প্র	8/81	,	•••		3
edia:	***	***			3
					. 8
	চতু	वेथ भाग	11.		
(स ो ड़		10 M C		***	\$
ग ख		••••	4 14	****	>
र दस		, • •	***	****	3
্ ক্যক		***	•••		3
				-	der brederic

হুৰ্য্য এক রাশিতে যাবৎ কাল থাকেন তা-ভাকে গৌরমান বলা যায়। চাক্রনান ছুই প্রকার মুগা চাক্র ও গৌৰ চাক্র। শুক্ত প্রতিপদাদি অমাবসা। পর্যান্ত মুগ্র হাক্রা কৃষ্ণ প্রতিপদাদি পৌর্ণমাসী পর্যান্ত বেটা, হাত্রাইয়া সাধারণতঃ ত্রিশদিনে যে নান হয় ভাহাকে নাবন মান কহে। অভিনীনক্ষত্র অর্থা রেবতানক্ষত্র পর্যান্ত যে কাল তাহাকে নাক্ষ্যিক যাল কছে।

পঞ্জুত। কিভি অপ তেজঃ মরুৎ

ক্ষিতি-মৃত্তিকা। অপ-জল। তেজঃ -হাই । মকুৎ-বায়ু। ব্যোম্-আকাশ।

ভারতবর্ষীয় প্রাচীন পণ্ডিড দিগের মতে এই পঞ্চতুত করণক মন্ত্রা দেফ নির্মিত হইয়াছে।

ইউরোপীয় অধুনাতন পণ্ডিতেরা দ্বিবহি প্রকার জন আছে ইছা নির্ভেশ করিয়াছের।

Œ

ক	र्घानिषु ३ व।	वारकान्य	য় পঞ্চ ৷	
/ 受	2441	****	,	3
5 %	* ***	****	•	*
∍ृत ्	****	****	• *	*
₹ ¶	4***	***	4-4	5
हेपक्	,	** *	****	*
			des	eranger transp
				· ß
পা	यू-छहारम्भ ।	এবং উপস্থ	-निष्म।	
	জ্ঞানে	मुग्र शक्षा		
5要性。	***	p= e4	g+81	3
कर्ष.	4 3	****	4 * * *	3
ন'দিকা	B 59	# 16 P	4***	*5
জিহৰা	0.000	4017	****	*,
34	妻を養る			4
				britan stant

ইহাদের কার্য। ত্রপ. শব্দ, আণ, রম এবং স্পর্ম।

अञ्चलि शक्ष।

पहरूके फर्करी	4464	6+06	***	
-1	. • • /	. ***	****	•
মধ্যমা	***	~***	et	
অনাসিকা	****	,	***	•
कनिष्ठा	****	***1	****	:

অঙ্গ-র্দা সুলি। তর্জনী-তংগরাসুলি এবং এইৰণ ইত্যাদি।

शक्षश्या।

গোম্ম	***		***	٠
গোদ্ত	****	***	442	•
मिधि	****	** *	****	
ছুক		46. 4	****	
মূত	****	****		•

লক্ষীনারায়ণ্ প্রভৃতি দেবতাদিগের সং

खना ७ वनाना भूका छेभलाक भक्षातात वाद-रात रहेन्ना थारक।

	প্র	াম্ভ ৷		
ड् ष	****		#4 P4	>
६ वि	1481	***	* ***	>
শুন্দ্ৰ	afpp	****	****	3
য়ধু	****	6194	***.	3 ~
চিনি	4 - 44	-***	**************************************	>

অদকেশীর বালাখ্রীদিশের বিভীয় বিবাহ কালাদিতে পঞ্চায়ত পানের প্রথা আছে।

পঞ্চবটী। প্ৰস্থা বিল্ বট বাত্ৰী

थाती व्यर्थाय ज्ञानकी इक ।

প্রাণ্ড বিলে মৃত্যু হইলে হিন্দুধর্ম মতে
মন্ত্র্তিশেষ পুণ্যাদ্ধা বলিয়া প্রতিপত্ন হয়েন :

शुक्षनवन !

করক্ট	****	. 146	444
टेमञ्जन	****	***	•••
गाभुसक	8 > > 0	11	***
বিট	* * * * *	**	****
স্মি		***	****

পঞ্চর।

স্লচর	** *	* **	
ज् ल हर	41.4	64.45	***
উভন্		••	4***
मिवां ह्य		****	,.40
নিশ্চর	4	****	

এই পৃথিবীয় সমস্ত জীবাই পাঁচ প্রকার প্রার্থনীতে বিভক্ত হইয়াছে। প্রকারতা

্কা একসা

१ वर्ष

। এত তেনীয়দের জীবিকা নিকাহার্থ ধানা। প্র আবশ্যক বেইহা মুত্রবলিয়া উক্ত হুখ্যাছে।

शक्तमा ।

•				
शंना		****		•
नका		4000	er to d	5
ভিল	****	••	****	>
ঘৰ	4 00 0	****	200°	>

শ্বেত গৰ্ষণ

মুকা অংগিং মুগ এবং মর্বপ্-সরিষা।
এই পাঁচ প্রকার ভিন্ন অন্য প্রকার লা
নাই এমত নহে। এতাবতা এই কয় প্রকা
শিকামধ্যে তেওঁ। শারদীয় মহাপ্রজার মৃতি
নির্মিত বেদীতে গ্রিশ্বসা বপ্ন করিয়া থাকে

शरकाशहात श्वा।

গন্ম	V - 4-H		
भूष्प	****	***	4 *
धूल मौश	4 194	4.00	711
मौश			***
टेन टवम्	40 6 8	****	

নেবতাদিগের পূজা সামান্যতঃ পঞ্চোপ-চারেই ফ্ট্রা থাকে।

পঞ্চ উপাসক।

गीवशङ्ग

•		. সংখ্যাসার।		\$.	>
r.a		****	⊕ n ± .	*** ***	13
भारता है। विकास	****	, ***	***		5
PAITS		en 94	. 1 4 4		>
artes		,	***		•
()					
					C '
৯ [স্ক			ष्यर्थ		
া,গপ্তা			গণেশের ই	9शाम	₹5 {
লৌর			ऋर् र्याह		A.
दियुवद	. •	•••	विकृत		S.
্বীশ্ৰ		****	শিবের		ঐ
3		***	শক্তির		ক্র
	•	পঞ্চবাণ	1		•
অর বি ন্দ			4141		*)
্রাশাক		1000	*	,	>
চুত (আ	ম)	****	, * **	****	>
নবমিল	~*		4-4 & A	,	>
নীলোৎ		***	5## †	****	>

.

বসন্তকালে উল্লেখিত পুশ্ব কয়েকটি ২ দেবের বাণবৎ হইয়া মন্ত্রেয়ের অন্তঃকরণকে ি কারে।

	অপর প	কিবাণ!	ŧ
भरमाश्न	***	करें इस	
डिया नन	****	• •	****
्रमाव न	3 161	4727	4 ** .
ভা পন	p. c	648	w # · #
'অন্তৰ	***	e 10 4	

যড়্রস।

ঝাছ	****	****	****	3 < 9 +
व्यम्भ		***	****	
ल्वन	****	****	***	• • • • •
ক টু ভিক্ত		***	****	w#34
ভিক্ত	*-*>	****	****	****
ক্ষায়	****		****	****

याम।

সংখ্যাসার।

স্বাদু-মিউ। কটু-তীত্ত-কাল। আহারীয় প্রত্যেক জব্যের আসাদ উপ্রি শিক্ত কোন না কোনটি রসের সহিত প্রকা।

.	य	ড্,ঋতু ৷		
affic	****	2 * * *	** **	>
文前: 単元章 大平西 - 大平西 - 村田 - 「村田	r # # #	+ D &		5
#1,2	4* *	440	1 # 4	*
. १.२%	and a		4 4 5 4	•
* [†] 3	**** 4	***	***	
ंत 🕏 💮	4.000	***	6041	
				flash street

ঋতু ছারা বংগর বিভাগ।

40

	A ,	
E	***	देनमाथ उ देक्छ।
दर्घ।	****	षागां ए धांदग।
अ त्	****	ভার ও আখিন।
েহ্মস্ত	31 <i>0</i> 1	কার্ত্তিক ও অগ্রহায়ণ।
শীত	4100	··· পৌষ ও না ষ ্
बन् नु		क्षुन ७ टेंग्ब।

भर्याभित्।

(वमाञ्च गर्छ।

किया।	***	****	***
ا الحيوفة		***	** *
रागिक इ. व	• • • •		****
दिस्क			****
इ •मः	45.3		• 4.
(का किंग	****	4941	,

যত্রিপু।

ৰ 1 ন	,, ,	****	. ,
ক্রোধ	,	****	,
লে†ভ	uP 7		***
নো ঙ্			****
স্দ'		••	vana book
মাৎসর্যা	***	* *	**

্মোহ-অজ্ঞান। মদ-মীত্ততা এবং মাৎদা প্রসিংহা, প্রশ্রীকাতরতা। মনুষ্য মাত্রেই এইছয় প্রকার রিপুপার্ক। তথ্যবা প্রত্যেকেতেই কোনটির আধিকাত। ও কোনটির অংগভাবিলোকিত হইয়া থাকে।

মদান : মদান : মদান : মান্য : শাল্ডা : শা

এই ছয় প্রবার প্রধান দর্শন শাস্ত্র আমা-লের দৈশে অতি প্রাচীন দাল হইতে প্রচলিত আছে।

	ষ্ড় বি	ध रेमना ।		
रमो न	****	****	449.	, 3
इंडा	a 44.		****	<i>*</i> >
			ert.	

· •

		मर्थ्यामदि	1		રં ન	
স্পিঃ	***	٠,			15	海
मि	****	**	••	• ₩ 3	*	
५ क	3***		•	~~p+	13	
क्ष	4.50	••	••	***	>	
					*****	į
					4	
গ্রাচী	ন হিন্দুর	া একসম	रत्र (प	অভিমাত	महा-	
ক্টায় সং	হাপিত	रहेश म	গুর্দ্ধীপ	প্রভৃতির	আবি-	4
8 N F	শাদন কা	রিয়াছিতে	नन महम	मर नो रे ,	যেহেতু	
মহাসাগ	রের প্রায়	ন কাম্বা	टनहें भ	মনাগ্রন	কর ত	
<u>রোধ জ্</u> য	जल्त	অ শ্বাদ	न (चंद्र	ন তাঁহার	मुदि-	
शीर नर	বিশগর	ठ नोर	ভাগে	1বভক্ত	করিয়া	
^{ভিন} ্তেন	1				>	
		मश्रुरि	11		5.435	
पत्रीहि	A444			****	,	
অত্রি	••		- • •	****	>	
শ্বিশ্বা		,***	,	.***	3	
i .				,	,	

	. , .,	भारत ।	
	,*6,	****	 •
•	****	****	

मधितार्जीवी।

अथली है।	•••	101	** 1
या ज	. ,		
माह		.,,	
হত্য ক	.,	• •	4101
रिडेंगः		• •	•
দুপাচার্য:		,	• • • •
न्त्र छत्।	p. # + +	•	

আনাচার শাতে উলিপিত সাতজন আন বিলিয়া উচ্চ ইট্যাছেন। রামায়ণ ও মহাভার পাঠে উপারি উচ্চ নহাত্বা মযুদ্ধের জীবনচরি। ন্যাবশ্যে হত্তে হত্তা ধাইতে পারে।

मथत्थी।

- जान	****			>
্িধ্য কেব্,	· · ·		••	٥
-প্রাচার্থ।	***	****		3
यम्बर्भाग				3
क कृति	1		****	7,
ুহৈল্পন			* *	,
पुः नानन			••	5
១៦	मग प्रशिक्षे	মহানীৰ্ম।	ত্যালুং	9 निरक
अन्याध गुरक	মনর স্পারিত	করেন।		
(भ्द ∺्त	९ ८५१ भक्ति	-	; ; ,	
	সংখ্যা	71		
77 7	41 41 41 41			3

सन्त्रजी ...

(**क**)क

কুশ

4

मध्यी।

প্তির্ভা	***	(8.4	****	•
কুলট'	****	••		;
इयली		, 21	***	٠

प्रक्ती	****	• •		*
বেশ্যা	•4•	•••		5
गुन्नी	• •	,***		>
মলাবেশ্য।	****		A	>

প্রথমে ক্রিন অপর কর্মট শব্দ প্রায় শব্দেদে ব্যবস্থা হস্টা গালে।

পৃথিবীয় যাবভাগ ক্রা জাভেই নিজং ভিনং খ্যাত ও চাত্র তেনে এই সাত প্রকারে বিভক্ত ছইয়তে।

मणिया।

कनातांड।		•	*14.	5
খন্নদ;ত	••	****	,	5
छ। समाजा	***	y & *	***	*
थ ङहमांट!		****		>
खग्राम १७	, 41		***	>
मञ्जूषा उ		****		>

Q.	(ৰভা ভি	গরি উক্ত ম	াপ্তজ্নকৈ পি	ভূ ৰ ং
ভক্তিক:	तरतक ।			
*		मगार !		
at a	Ť **	**	entire.	ч,
দে†ম	**	y - 4 v	**	
मक्त	, . ,	*11		
<i>বু</i> ধ			1845	þ
বৃহস্পতি	•- •	****	***	١,
也亚	****	****		148
শ্নি		**		>
				٠,

কি হাঙ্গালা, হিন্দী বা ইংরাজী গ্রায় সকল ভাষাতেই বার সকলের নাম, গ্রহাদি হুইছে। ভেত্তপতি হুইয়াছে।

नव श्रम्।

यामी :

	3	गंरची गांव।		
ৰ ণাত্ম	1219	\e### *		35
इकर े		1. Hildura	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•
কো ষ		♦ ७ • •	'a+	
व:कें (बाका)	****	a + 2 #	, , + + #	·\$.
y n	***	4 * *		35
17				

রাজ্য বিশেষে উল্লিখিত, মপ্ত অন্তেরই আবশ্রক হইয়া থাকে। যে রাজ্যে অফ বিশেন যের অসন্তাব হয়, তাহা সম্বিক প্রজিনশালী বলিয়া প্রিণ্ণিত হয় না।

অফগাতু। হিরণাঁ (স্বর্ণ) রন্ধত (রৌপ্য) কাংজ (কাঁদা) পীত্তল

\$8	কং খ্যাসার।		
तीमा	* **	• • •	anë.
রাঙ	**** 5	+=+1	• ••
(लोर् (लाश)	4145	\$##¢	

বিষ্ণু দেবতাদি অন্তথ্যতু গঠিত চইয়া পাকে বোগোদর বা বন্তবিসার পাঠে এই সকল ধাতুর গুণানিবিশেষ জানিতে পারা যায়,এইফালে এই পৃথিবীর নানা স্থানে নানা প্রকার ধাতু খনন ইইতেছে। বস্তুতঃ একের যহিত অপর ধাতুর যোগেও অনেক ধাতু উৎপন্ন হয়।

বিবাহাম্টক।

ত্ৰাক	*1**	****	****	4
टेमव	. ***	. 101	****	2
षार्व	1434	4-4-	and t	à,
প্রালাপতা	****	****	w reserve	*
े चा स्त	****	****	elle X	*
ना पर्य	е А ись		.004	4,

রাক্ষ**ন** গৈশাট

পূর্বকালে এই ভারতবর্ষে উপরিউক্ত অন্ট গুৰার বিবাহ প্রচলিত ছিল, আহ্বান পূথাক বি-धान वाक्तिक व्य विवादश कन्यामान कहा इस छान াতেক ত্রাক্ষ বিবাহ কহে। যজ্ঞাদি আরম্ভ করিয়া ुर्डाक्डरक रय कमामान कड़ा इस जाहारक टेमब বিবাহ কছে। একটি গাভী অথবা গোমিথুন বঙ্কেব্ৰ নিকট লইয়া যে বিবাহে ভাঁহাকে কন্যা দান ক্রা শার তাহাকে আর্ধ বিবাহ বলাধায়। " তোমরা धरेक्टन गार्रेष्टा कर्स क्ब्रु,. अरेक्टन अवटम याका লেয়া অনন্তর অর্জনা পূর্বকে যে কন্যা দান ম্প্র ৰ দান যে বিবাহের সম্পানক ভাহাকে প্রাঞ্ ग्डा विवाह वरल। कनांत शिजामिक यमे श्रमान করিরা **যে বিবাহ সম্পন হয় ভাহাকে আহ**ত্ত বিবাছ কছে। কন্যা বরের **পর**ক্ষার অসুরাক্ষ শালিকনামি ব্যাপারানন্তর যেবিবাহ হয় তাহাকে

প্রতিকৃত্য হয় ওবে ভাহাদিগকে হননাদি করি আতিকৃত্য হয় ওবে ভাহাদিগকে হননাদি করি আৰু কন্যাব যে দান তাদৃশ দান যে বিবাহের দিশাদক ভাহাকে রাক্ষণ কিবাহ বলা থব কিলাতে অভিভূত বা মদাপানে মন্ত্র যে কলা ভাহাকে হরণ পূর্বক অর্ণ্যে গমন কর্তঃ বিবাহ হয় ভাহাকে গৈশাচ বিবাহ কণ্ডে ধানভীয় বিবাহ অপেক। পৈশাচ বিবাহকে অনুমানভার বিবাহ বিবাহকে অনুমানভার বিবাহ বিবাহক অনুমানভার বিবাহ বিবাহক অনু

অফ্টবসু ৷

ষ্	***,	****	****	
ध्व	****		****	
ত্ব লোম		****		i
বিকৃ	4 * *	****	***	- ,
पनिव	gram	1981	#***	*
चारम	**** *** ***		# * *** -	1. 15 h
र्व शाय	****	year S la	4	

ইংরাই মহবি বিশিষ্টের কামধের অপন্
হরে করত তীহার শাপজনে গঙ্গার গর্তে জন্ম
এহন করিরাই অমনি মানবদেহ পরিত্যাগ পূর্বেত দিনা লোকে শান কবেন। তক্সধ্যে বিনি
গপভরণ দোধে বিশেষ দূষিত ছিলেন ভিনিই
কেবল ভাষা নামে গন্ত জাবন নরলোকে থাকিনি মুক্ত হয়েন।

(শহাভারতের আদি পর্কার্থতি, শাস্তার(সাম মহিছ গজার বিবাহ অধ্যায় ৷)

	নবগ্ৰ	रिहा		,
इदि	***	. **	***	*
দোম (চক্ৰ)		**		>
मकल		:***		`>
दूष	٠٥٨٠ م	****	* ***	1
রু হস্পতি	****	-	n	
9	****	1741		
	125		. 10.034	* 10 Med

্চ	স ং	খ্যোস্র।	•	
শ্বি		,.,,	,	
বাহ	****	****	****	
কৈছ	****	****	****	*
1			-	

অধুনতিন জ্যোতির্বিদ্যা বিশারদ্দিণের
নিতে স্থা গ্রহ বলিয়া গণা দ্রেন না। উপরি
উক্ত নবগ্রহ ভিন্ন শিরিজ-পালান, জুনো এবং
ক্রেডা প্রভৃতি অনেকানেক ক্ষুত্র গ্রহ আধুনিক
ইউরোপীয় জ্যোতির্বিৎণণ কর্ভৃক আবিজ্ত

i koji	नर	ারত্ব।		
শ্বর ন্তরি	***	4000	••••	5
ক্সপ্ৰক		费中债效	***	5
অমরসিংহ	••••	41.00	****	
48	4500	***	****	5
নেতাল ভট্ট		**** ,		
भाकर्गत	****	****	44.	1.5
क्रालिमान		6 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1	\$ ** >

জপঃ দান যে সকল ব্রাক্ষণের। এই নবগুণে গুণাছিত ছিলেন ভাঁহারদিগকেই ভূপতি বলাল কুল শেণীকে সংস্থাপিত করিয়াগিয়াছেন।

দশাবতার।

*			
भर गा		*44*	
***	# #1.40	****	
aste	₹.,	* ***	•
नर्जनिः ए	- :	•••	\$
ৰামন	us #F an E	44"	5
बीगमधा (शतखदा	म }	****	**
ज़ॉम	dvan	****	, "
3 38	***	,,,,	5
T	pAnt	o ♥ ● カ	
(184)	***1	44.44	٤
*			-

ভগবান নারায়ণ উপরি উক্ত পর্যায়ক্রমে জ্ব অহণ করিয়া এই ভারতবর্ষে যুগেংলীলা সম্পাদন জরিয়াগিয়াছেনঃ এইৰূপ পুরাণ্যি হিন্দু শাস্তে ,লিখিত আছে, তথাধ্যে কক্ষী, অবতারৰপে এই কণে আবিভাব হয়েন নাই। বিফুগণা নামক ব্ৰাহ্মণের স্থাহ এই ভাবী অবতার জন্ম প্রহ্মণ করিবেন।

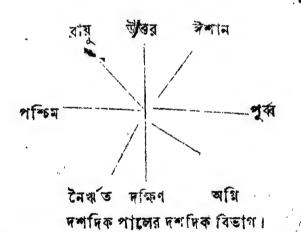
কল্কী পুরাণে লিখিত আছে।

मण मण्यात्र।

1	, , ,			
WELVED			****	3
शू श्मतन्			****	(*\$)
শীমকোর্যুন			. , ****	5
জাত কৰ্ম		***	****	5
নিষ্কু মণ	****	4004	4444	>
নামকরণ		***4	+##+	>
অন্নপ্রাশন	****	****		5
চূড়াকরণ	***	****	****	. 5
উপনয় ন	****	***	4881	5
বিবাহ	4444	\. \. i.q.	94 Fe	3

मर्गापक १ स् किन উত্তর ं देन अ उ अ र मणिषिक शाल। শিতৃপতি (বন)

বরুণ '		***	****	" " \$
र्शकृष	****	****	***	\$
কুবের	****	****	47=4	* 5
क्रेन	***	***	****	. 5
উৰ্দ্ধেত্ৰকা	****	*###		, W.
অধুসি অনন্তঃ	****	****	****	3



দিকপাৰ --- গ

্বহি		\ 	- * * *	'অগ্নি
- 1	4444	4 ****	****	
পিতৃপতি যিম	****		****	ए किन
दैन श्र ज	,	****		নৈখাত।
বরুণ	****		****	পশ্চিম।
মরুৎ	67.4	****	****	বাৰু ৷
কুবের	••••	****	4***	উত্তর।
3		****	****	क्रमानु ।
ত্রসা	,,,,,	* 4*** {	***	001
ચ નશઃ	****	1 2		, কারঃ।
प् र	*।।श	গার পূত্র	برا	
शोगः	****	4 39 0 4		>
व्यर्घा	****	***	48.0	5
পাচননীয়				4,5
মধুপর্ক অভাবে	সানজ	नः ।	****	5
শাচনন	****	h***		>
াকা		****	••••	>
শুস	2-44	***	4004	>
A print				
	••••	# ** ***	****	,

नीशं ... टेनटवनाः ...

দশোপচার পজা সামান্যতঃ না হইয়া বি-শ্বী ক্রিন্তিরোধে হইয়া থাকে। বস্ততঃ দা-ধার্থতঃ হইলেও হানি নাই। কত স্থলে দশো-পচার পূজা দামানা প্রায় প্রত্যহ হইয়া থাকে।

ভুরদ
ক্ষেত্রজ্
দত্তক
ক্রিম
গ্রুচ্যৎপন্ন
অপবিদ্ধ
কানীন
সংস্থাচ
ক্রিভ

শ্বারশ্ব --- ---

নিবাহিতান্ত্রীরগর্ষে সামীকর্তৃক উৎপাদিতকে ্বিপ্রস বঙ্গে, খুস্ত্রীতে বিধানক্রমে অন্যন্তার উৎশ্রা-দিতকে ক্ষেত্রস। নাতা প্রিড়া কর্ত্তক দর যে পুত म पडक। अकाषीय, शूर्खेर्शनांकांख क्लीन वान-ককে পুত্র করাকে কৃত্রিস করে, বাছ্রুপ ভার্য্যাতে ! গোপনে স্বন্ধাতীয় লন বিশেষ কর্তৃক পুত্র উল্ল পাদিত হয় এমত পুত্র গুঢ়োৎপন। মাতা পিতা কুৰ্ত্ব পরিত্যক্ত বালককে পুত্রৰূপে স্বীকার করা অপবিদ্ধ। বিবাহের পূর্বের কন্যার পিতৃ श्रह (४ भूख इस मि कोनीन। गर्डयुक कनोति ৰিবাহ পরে, ঐ গর্জ্জাত পুত্রকে সংহাঢ় কছে। পিতা মাভার নিকটে অর্থছারা যাহাকে কেনা হয় সে ক্রীভ। বিবাহানন্তর পুনর্বার অন্যের ভার্যা। হুওড়: মে মন্তান জন্মে ভাহাকে পৌনর্ভব। মাডা পতা কর্ত্তুর অকারণে ত্যক্ত কি মাতা পিতা

বিহান বালক আপনি অনেরে পুত্র হয় যে স্বরং দত্ত। একিণ কামাশক হইয়া শুদাতে যে পুত্ৰ ⁸⁷ উৎপাদন করেন তাহাকে পারশব কহে।

वाप्त गाम।

देव माथ	****	**1*	. met	٠,
रेखा छ	***			5
অ1ব ড	**		4407	>
ভাবণ	****	****	, 144	5
ঠাত	****	****	,	5
আশিন	2***	****	***	>
কার্ত্তিক	***	. * * *	****	15
অগ্ৰহায়ণ	****	***	4 ***	3
গৌৰ	\$ 4490	***	4991	5
মাঘ	****	4.00	****	>
ফান্ত্ ণ	**	****	. ***	*
रेठक "		****	بوه ۾ دو.	13

मापन तानि।

খে ৰ				
£44	***	100	****	3
इष	****	****	.,	۲ ,
मिथून	***	*/**	• * * *	P.
कर्क है	••••	***	***	*;
मिश्ङ्	•••	****	****	3
कन्ता			****	4
তুলা `	****	4941	****	*,
ব্লশ্চিক (বিছা)	****	****	1166	1,
ধন্ম	>***	1000	****	7
मक द	****	49.94	,	t,
कु छ मीन	••••	er 94	****	5
मीन	****	****	****	٠,

32

ক্ষোতির্বিৎ হিল্ফু পণ্ডিতদিরের মতে ক্র্যা বংশরের মধ্যে মেষ, ব্লব প্রভৃতি এই বাদল রাশিচক্র এক বার পরিজ্ঞমণ করেন। ভ্রমধ্যে বৈশাখে নেষে, জ্যৈষ্ঠে রুষে, স্মাধাণ্ডে

				•
ত্রখন এবং	ে এই ব্ৰুপে চৈ	८व भीन व	্ৰ:শিতে	च्यत-
্তি করে				
	পাধ্যদশ	তিথি।		
প্তি প্ ৰ			****	•
হ ছীয়া	1444	***		•
इ.की.स	****	••••	****	•
s কৃথী	••	٠		>
४३ औ	***	,,	****	>
की	.***	****	****	5
দগুমী	****	****	1***	5
খউনী	****	••••	r***	5
नगर्भी	** **	***		5
Series -	NP (****	****	. 5
वकामनी	***		***	· >
वानभी	***	41.44	***	*
दरशामभी			***	•
विकास हु उ	****	****	• .	* *:
পূৰ্বিমা বা প	यग्वन्।	***		***

বিতীয় ভাগ চকেপাঠ, পাঠে প্রতিপদ দি দীয়া প্রভৃতি ভিথি নমুংহর কারণ ও চক্রকলার শুদ্র রুদ্ধির বিধার বিশেব অবগত হওয়া যাই-তে পারে।

যোড়শ সাতা।

		•		
खनशाजी	,**.	**	****	`,
গর্ভধারিণী	`	••		**7
প্রপরী	,	****	• ,`	*
देखें एवं शड़ी		•••	••	4.
ভকাধাত্ৰী	***	****	****	,
পিতার পত্নী		**	4869)
कंगा		****	****	'à
সহোদরা ভণি	नी	••••	****	ን
্শুক্ত গত্নী	****	****	****	5
শক্তা (শাত্তী)	*4**	***	>
ৰাতা নহী	4***	•		*
পিতানহী	****	****	****	3
্ৰাত্ বধূ	•••			>
খাতৃত্বদা (মাৰ্	गी)			>

বিত্ ষশ (পিদী) ····	***	***	>
नां इलानी (नाभी) ···	2440	gP N. W. Y	\$

উপরি উক্ত বোড়শ পূজনীয়াদিগতে মা-ভূবং মান্য এবং ভক্তি প্রদর্শন করা মন্ত্রা মাত্রেরই উচিত, এই উদ্দেশেই হঁছারা মাতৃ-পদ বাচ্যে কথিত হুইয়াছেন।

যোডশদান।

ভূমি	*****	****	** *	3
আ'সন	****	4 4 4 5	,	1
ज् ल	* > *	••	•••	٥
নক্ত	****	***	****	*
मीश	41-	****	****	3
य व	****	***	#*AT	3
তামুল	****	***	****	5
ছত্ৰ	••••	****	***	3
ग क	****			5
मोना	•	***	***	15

্বশ্পক পুর্বাচননীয়

	和 柳 河道				
গ্ৰীন ভল		* ****	as su	,	
1.3	•••	***1	* **	1	
গভিব		****	٠.	>	
গ ন্ধ	4400		•	3	
গু জ্ব	••	***	****	\$	
ধূপ	pru	-	****	5	
यून मोन		****		Šï	
टेसएवन र	***		4444	5	
वस्त् न	,	,	***	5	

', (p,

তুর্গোৎসব প্রভৃতি রুজন্বন্ধারেই থো-ডুলু উপচারে পুজা কার্য্য সংগম চইয়া নাজে। কলতঃ অন্যান্য কর্ম কান্ডোপলকে ব্যক্তেশ উপ্য চারে পুজা হইলেও অনুমাত হানি নাই। অনেক ভানে নিজা নিজাই উপায়িউজ বিধানে পুজা সমাধা হইয়া থাকে।

वर्षे। मन श्रुद्धाल।

atw.

गर्यागांव। क गवड • मानुकी। व्यक्ति द एक इ चारशव करिया बकारे वन ई टेन क **建**等15 ۲ 5 5

এই দকল পুরংব মধ্যে অনেক উপপুরারী নিবিই আছে। পুরাবপাঠে স্কির বিবরণ রাজ্য নিবেব বংগদিবরণ মন্ত্রত সম্ভীণ ঘটনাবলী নবং বিশেষং বংশের বিশেনং চরিত্র জালা ঘাই।

মান্ধ্ৰিছাডক (বিলেজ্প) শাদা।

সংখ্যানাসত শাল গুণ্ প্রকার-শংখ্যা বেশিকা
প্রং সংখ্যার পূর্ণ থোঁ ক বা বাসলা ভাষা
সংখ্যা বেশেক শক্ত গুণাক ব্রে ব্যবজ্ত-সাধুতান
বাম প্রচলিত এক প্রানার ও স্থানান্ত ব্যবজ্ত
অন্য প্রকারণ ভত্তবা প্রক্ষাক প্রকারই নিম্নে
নিথিত হইল, ধর্ণ—

भंं अ	दि । इक	217	ণ্যাচ	ক শব্দ।	
মঞ্জ	र्भम				
	এক	34	अथ्	্ৰথম	
	্ৰ	২্ শ্ল	.,	ছিভীয়	,
	<u>ত্</u> রি	তর	>,	ভূঙীয়	
	চজুর	धर्थ	, ,	6.24	

海では	:1वाहक ।			월 ?	역기(5종 * -
	= (1)				
Q _t	পুরু,		EN E	14.	र क्ष
19	गरे(४४)		* 3	, 5	४%
, 9,7	मश		97	3 >	সপ্তেৰ
.	મા <i>ભે</i>		₩.i	3 8	दिवेब
79	Ñ G	•	hill	3.4	TAN
5*	स्ट भ ि		302	,,	सम्ब
13	al coth of		125	>	এক ।
38	WINN!		১২ শ	,,	ent in the
wa.	ত্ৰোদৰ		\$0%	• •	उरस्तिन
>8	इ.स.		28 AL	77	U 2 W
. 14	अध नम्		30 %	"	अं छंडत म
33	বোড		०,५ डह	,,	ৰেণ ্ড শ
34	স্বাস্থা ন শ		47 th 184	,,	祖母行者
Þ	बाउंपन		*bx	7.	অউার ল
	क्रेमिक गांड		3921	24	উনবিংশ
33	বিংশ ত		200	23	বিংশ
35	একবিংশকি		र् ५भ	9.9	একবিংশ

7: 2 2	াংৰাচক :	পূরণবার্চাক শক।
er! \$8		
23	स्राधिकारिक	२३ व्याचार प्रतितृत्व
23	এ র য়∏বংশ ি	२०० , जारशिवित्र
₹ 3	চৰুণিংশতি	25% , 5 g (4 cm
. 8	भ, श्वास्त्रकारिक	>841 MASIA M
		• अंख, प्राप्त

উন্ধিংশতি হঁটতে গ্ৰাশনী পূর্ণ বাচক
শব্দ সকল ক্ষাভভাগ সংগ্ৰা স্থান বেধক শব্দে
(হয়) প্রাহ্ন বেধ থে,গোও নিজ্যা হয় । ব্যা.—
উন্ধিংশতিহুয়, বিংশতিহুয় এক্বিংশভিত্য
ভ্যাশিহুহুয় ইড্রাণি।

मा भावा हक।

遊戲			3 2
4%			যুক্তিংশা ছ
29		••	मथ्रिः मण्ड
37	••	•	আন্টারি-শ্তি
573	••	**	উন্তিশ্বং
4 •	b #**		ত্ৰিং শ ং

भः थाः भाव ।

मः था। विका

* 5			
可称			संघ (
45	***		এক বি•্শং
46 -	4.		को जिल्ल
\$ -3	7.	·	ड्य (प्रः, ४००
. 98	.**.	•••	চতু ডিংশং
**	, • 60	•	State Line
**	φ dE χ 1	•	वर्षे जिल्लाक
49	***		相對「蘇州市
OF.	*196	•	कार्रा दि भर
45	****	w -	छ . इंद्रीहिश्मा
	***		2 年(包含素)
85.	**	** *	এবচ গ্লাবিংশং
80	aje ko	•	ष वा 'हम्बातिः भर
8.			এয়ো বা চেচহারি•শ€
88	****	1.64	ठ वुल्हरा दिश्मा€
EC.			পঞ্চম্বারিংশং
**	> 4 # 4	•••	ষট্চহারিংশং
.in		****	সম্ভচ হারিংশৎ

मश्याग्वाहक।

			THE STATE OF THE S
b-	**		अन्ते। गा अधिक्योतिश्म र ्
12	***		উ नशक्षां ग र
٠	••		क्षेत्राम्बर .
>			হৰপথ্যাল্
٠,	•••	; •	इ। वा विश्वशंबद
4	***	••	হয়ে! যা ত্রিপঞ্চাশৎ
19	,	***	2 2 : 0.001 ms
t¢	** *	•	रत्भ शर्ममार
ide	***	•	नकेश्री संह
i¶.	•••	•	न द्वा १ १६ जा ६
ib	* **	•	षक्षी वा अन्त्रमक्षामक्
61	124+	**	उ न्हें
63	****	***	व ि
6.4	• • •	****	करमाँ छ
Þξ	. +5+	•	ष् न विमित्रि
9 7		****	बरमा दा कियंकि
\$\$	••••	* **	চ কু: যথি

ज्ञर्था गाँउ।

मः था निएक।

专家			स्थि।
CAR.	+ + 41	***	शक्षास्त्र
100	.comi → 1	. ••	ষ্ট্ৰ কি
. 389		•	নপ্রকী
**			थाने द। याने मि
43	****		ন্ট্রস ও বি
•	g. > #	•••	সপ্ত ি
35	,***	***	ত্রমপ্রতি
92	10.50	***	দিমপ্ততি
99	***	***	र् _व नश्चिष्
48	41.47		ए दुवस्थ ि
42			া, প্রংস্পার্গক
• 1	**	•••	महेम्लाङ '
49	****	***	शहर वि
ąb.	-141	***	इ.के व धकेमखि
45	· · ·		南州新 。
			অশীত
3 23	17.44	41.4	. একাশীভি

भःशाबाहक।

138			নান ৷
ર	*1 **	••	দ্যশীতি
' শু	(he	***	are if s
-8	**	**	চতু রশীতি
-3	**	•	अ श्रमीर्ड
-19	. •	••	যড় শী তি
	***	706	মপ্ত†শী ^{তি}
سؤمو			অফ'শীতি
53	• •		উ नगर्दा छ
సం	• • •	• •	নবভি
2:		**	<u> একনবৃত্তি</u>
રું રે	***	***	হা বাগিন্ৰভি
એલ	••	* 4	ত্ৰয়ো বা ত্ৰিনবঙ্গি
: 3	***	****	চতুন্বতি
22	***	****	শক্ষনবভি
ಶಶ	***	••	यह विक
29	****		মপ্ত নব ্তি
27	***************************************	****	অ্টা বা অউনব্ভি

FT:

** \

সংখ্যাসার;

मः थार्याव्या

ज क	•			হ লৈ ৷
22		***	, d & -	संबद्ध र कि
200	;	,		. * · · ·

भारक्षिक भक्त वावश्व।

স্থানবিশেষে কতকগুলিন শক সকেছে আ হার্য্য হয়, যথা— নাক্ষেতিক শক। ক্রুড শক আং শার্ব্

আং গারেন ইং ইস্প ইং উর্ব বিং কিসমত বোং কোম্পানি ক্লীং গীবলিক

চালান

সংখ্যাসার।

দাক্ষেতি	क भक्।			अक्ड भग
िख १		45**	,040	किमा।
<u>ste</u>	g # 1 *	Loor		ভারিখ
Ŗ.e.	,***	. +6+		দ ৰণ
		****	••••	क्ति श्रं
1	***	*47	••••	নম্বর
1मिक	4 6 64	****	•	निद्यमन
শৃং	4200	•	****	পরগণা
शु र	পুঃ			श्रू नण्ड
ત્રુ ે		****	4000	पूर्शलक
Mte	****	***		शाहमी
ব্দ্ধং	****	45.50	9 0 B.J	প্রেশ
38	****	4, * * *	****	বকলম
विः	****	*	,40,00	বিম জ্জিম
निः	,	***	****	विशाबिश
বাং	1144	***	1000	वाक्ता
र्डाश		****	***	ভাতারী
মং	4***	11.41	****	মব লগ
সাং	*	***1	<u> </u>	মারকুড়

मः थानाउ।

गाङ्कि	F MA!			প্রকৃত খৃত্
মেং	****	****	***	মেকটু
নোং	****	v*1,	••••	নোকা ম
মোং ু		***	****	মোডাবেক
जीः ;	****	b # 1 w	4~ 5 1	দ্রীনিঙ্গ
' সাং	****		4+,4	गाकिन
म ং	****	£,,,,	अरु	
हि १	•••	****	****	মূত বা সংবাদ হিন্দী
हिः	****	****	****	्रिमाद इिमा द
				14,114

